भारत सरकार

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1370

08.12.2025 को उत्तर के लिए

औद्योगिक प्रदूषण की जांच के लिए उठाए गए कदम

1370. डॉ. कल्याण वैजीनाथराव काले :

क्या **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को जानकारी है कि महाराष्ट्र जालना शहर के पास औद्योगिक क्षेत्र में स्थित लोहा ढलाई कारखाने गंभीर वायु प्रदूषण का कारण बन रहे हैं;

(ख) जालना शहर में प्रमुख वायु प्रदूषकों, जैसे पीएम2.5, पीएम10, नाईट्रोजन ऑक्साइड और सल्फर डाईआक्साईड का वर्तमान स्तर क्या है; और

(ग) इस क्षेत्र में औद्योगिक प्रदूषकों को नियंत्रित करने हेतु सरकार ने कौन से ठोस उपाय किये हैं?

उत्तर

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री
(श्री कीर्तवर्धन सिंह)

(क) से (ग):

महाराष्ट्र राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एमएसपीसीबी) द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, जालना शहर में वायु प्रदूषण को दूर करने के लिए, कृषिधन उद्योगों, एमआईडीसी, जालना, आईएमए हॉल भोकर्दन नाका, जालना शहर और जालना नगर निगम भवन, जालना में वायु प्रदूषण मापन प्रणालियां स्थापित की गई हैं। राज्य वायु निगरानी कार्यक्रम (एसएएमपी) योजना के तहत, जालना शहर में वायु गुणवत्ता की निगरानी के लिए, जेईएस कॉलेज, जालना के परिसर में एक सीएएक्यूएम स्टेशन स्थापित किया गया है। इसके अलावा, एक मोबाइल परिवेशी वायु गुणवत्ता वैन हर महीने जालना एमआईडीसी और इसके समीपवर्ती क्षेत्रों की वायु गुणवत्ता निगरानी करती है।

जालना शहर के लिए प्रमुख वायु प्रदूषकों का वर्तमान स्तर सीपीसीबी से संबंधित वायु गुणवत्ता प्रबंधन के लिए केंद्रीय नियंत्रण कक्ष के पोर्टल में उपलब्ध है।

एमएसपीसीबी जालना ने जालना में इस्पात उद्योगों से वायु प्रदूषण के उपशमन हेतु हितधारकों के सहयोग से निम्नलिखित पहलों की पहचान की:

i. प्रत्येक उद्योग एक महीने की अवधि के भीतर माल सूची और कार्य योजना (अल्पावधि) तैयार करेगा और बिंदु संख्या ii के पूरा होने के बाद दीर्घकालिक कार्य योजना तैयार करेगा।

ii. प्रत्येक उद्योग अगले तीन महीनों में मौजूदा प्रदूषण नियंत्रण प्रणाली के लिए प्रतिष्ठित संस्थान से आकलन अध्ययन (भट्टी से उत्पन्न धुएं की मात्रा, निकास द्वार से धुआँ निष्कर्षण प्रणाली का निष्पादन आकलन, मौजूदा वायु प्रदूषण नियंत्रण उपकरणों का निष्पादन आकलन और अध्ययन के आधार पर निष्कर्ष तथा अनुशंसा और तत्संबंधी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा।

iii. प्रत्येक उद्योग यह सुनिश्चित करेंगे कि मौजूदा वायु प्रदूषण निगरानी प्रणाली लगातार संचालित है।

iv. प्रत्येक उद्योग अपने संचालन और मौजूदा प्रदूषण नियंत्रण प्रणाली के रखरखाव में सुधार के लिए तत्काल प्रभावी कदम उठाएगा ताकि आसपास के क्षेत्र में उत्सर्जन से बचा जा सके।

तदनुसार, एमएसपीसीबी ने एमआईडीसी जालना के सभी 16 उद्योगों को दिनांक 17.11.2025 को कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

*****